भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3164

***7* अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए**

एनयूएलएम का कार्यान्वयन

†3164. डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरीः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या शहरी गरीबों के आजीविका अवसरों में सुधार के लिए राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) शहरी गरीबों के लिए कौशल विकास, स्व-रोजगार और बाजार आधारित रोजगार के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने सहित मिशन के मुख्य उद्देश्य क्या हैं;

(ग) शहरी गरीबों को जमीनी स्तर की संस्थाओं में संगठित करने के लिए एनयूएलएम के तहत क्या पहल की गई है, जिसमें रेहड़ी-पटरी वालों की भागीदारी भी शामिल है;

(घ) शहरी बेघरों के लिए आश्रय और आवश्यक सेवाओं का प्रावधान, जिसमें जुलाई 2025 तक ऐसी सुविधाएं प्रदान करने में हुई प्रगति भी शामिल है; और

(ङ) उक्त मिशन के तहत स्व-रोजगार उद्यमों के लिए आसान ऋण सुविधा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं और इन प्रावधानों से कितने लोग लाभान्वित हो रहे हैं?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) और (ख): आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने वर्ष 2014 में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) को क्रियान्वित किया और यह 30 सितंबर, 2024 को संपन्न हो गया। इस मिशन का उद्देश्य शहरी गरीब परिवारों की गरीबी और असुरक्षा को कम करना है, ताकि उन शहरी गरीबों को बुनियादी स्तर की सशक्त संस्थाओं के निर्माण के माध्यम से स्थायी आधार पर उनकी आजीविकाओं में सुधार करने के लिए उन्हें लाभकारी स्वरोजगार और कुशल मजदूरी रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। देश भर में मिशन के तहत दिनाक 30.09.2024 तक प्राप्त की गई उपलब्धियां निम्नानुसार हैं:

गठित स्वयं सहायता समूहों (**एसएचजी**) **की संख्या**	10,02,545
रिवाल्विंग फंड प्राप्त करने वाले स्वयं सहायता समूहों की संख्या	6,79,705
कौशल प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की संख्या	15,42,952
नियुक्त कुशल अभ्यर्थियों की संख्या	8,43,299
व्यक्तिगत/समूह सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने हेतु सहायता प्राप्त लाभार्थियों की संख्या	9,81,899
बैंक लिंकेज कार्यक्रम के तहत स्वयं सहायता समूहों को संवितरित ऋणों की संख्या	6,42,207
आईडी कार्ड जारी किए गए स्ट्रीट वेंडरों की संख्या	32,59,522
क्रियाशील शहरी बेघरों के लिए आश्रय स्थलों की संख्या	1,995

(ग): राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के शहरी स्ट्रीट वेंडरों को सहायता (एसयूएसवी) घटक ने सर्वेक्षण को सुविधाजनक, प्रमाण पत्र और पहचान पत्र जारी, वेंडिंग ज़ोन के लिए आवश्यक भौतिक अवसंरचना का निर्माण, विक्रेता-समर्थक शहरी नियोजन और उभरते बाजार के अवसरों तक पहुँच के लिए शहरी स्ट्रीट वेंडरों के कौशल की व्यवस्था कर के शहरी स्ट्रीट वेंडरों की आजीविका संबंधी चिंताओं का समाधान किया है ।

(घ): राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन का शहरी बेघरों के लिए आश्रय स्थल (एसयूएच) घटक, शहरी बेघरों के लिए बुनियादी सुविधाओं से युक्त स्थायी आश्रय उपलब्ध कराने पर केंद्रित है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, मिशन की कार्यान्वयन अवधि तक देश भर में कुल 1,995 आश्रय स्थलों को क्रियाशील बनाया जा चुका है।

(ड़) यह मिशन शहरी गरीबों के व्यक्तिगत /समूहों/स्वयं सहायता समूहों को लाभकारी स्वरोजगार उद्यम या सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।मिशन के कार्यान्वयन अवधि तक लाभार्थियों की संख्या का विवरण इस प्रकार है:-

व्यक्तिगत/**समूह सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए सहायता प्राप्त लाभार्थियों की संख्या**	9,81,899
बैंक लिंकेज कार्यक्रम के तहत स्वयं सहायता समूहों को संवितरित ऋणों की संख्या	6,42,207

*****